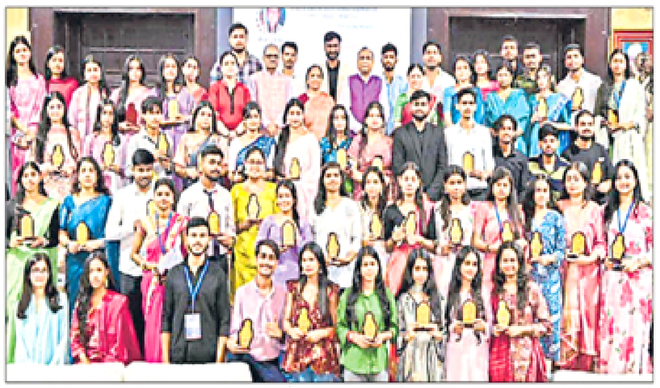
UNIVERSITY NEWS 04 NOVEMBER 2026

HINDUSTAN

एलयू के दीक्षोत्सव में 200 विद्यार्थियों का सम्मान

लखनऊ,प्रमुख संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के 69वें दीक्षोत्सव के अवसर पर मालवीय सभागार में दीपोत्सव-2026 के अंतर्गत आयोजित सांस्कृतिक एवं साहित्यिक प्रतियोगिताओं के विजेताओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय एवं उससे संबद्ध 15 से अधिक महाविद्यालयों के लगभग 200 विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

दीक्षांत सप्ताह के अंतर्गत 23 से 31 जुलाई तक आयोजित प्रतियोगिताओं में 500 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया था। कुल 14 प्रतियोगिताओं में निबंध लेखन, कविता, भाषण, चित्रकला आदि में विद्यार्थी शामिल रहे।



लखनऊ विवि में मंगलवार को कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी ने विजेताओं को स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक तथा प्रमाण-पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर प्रो. मनुका खन्ना एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अमिता कनौजिया सहित अनेक शिक्षक उपस्थित रहे।

HINDUSTAN

एलयू में एक दिसंबर से खोल दिया जाएगा सीएएस पोर्टल

लखनऊ, प्रमुख संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में शिक्षकों को पदोन्नति प्रक्रिया को लेकर सीएएस पोर्टल एक दिसंबर 2026 से शुरू हो जाएगा। कुलपति जेपी सैनी के निर्देश पर विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ ने इस संबंध में नोटिस जारी किया है। पोर्टल के माध्यम से करियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) के तहत पदोन्नति के लिए आवेदन अपलोड किए जा सकेंगे।

आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. विनोद सिंह की ओर से जारी नोटिस में बताया गया है कि जिन शिक्षकों ने सीएएस के तहत विभिन्न चरणों एवं पदों पर पदोन्नति के लिए पात्रता मानदंड पूरे किए थे प्रथम परिनियमावली के प्रावधानों के अनुसार आवेदन करें।

पॉक्सो कानून एवं सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के प्रो बोनो क्लब द्वारा ग्रीनलैंड पब्लिक स्कूल में बाल यौन अपराधों से संरक्षण विषय पर जागरूकता कार्यशाला में कक्षा 6 से 11 तक के 100 से अधिक विद्यार्थियों को जागरूक किया गया।

HINDUSTAN

अनुमिश्रा को यंग रिसर्चर अवॉर्ड

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ फूड प्रोसेसिंग एंड टेक्नोलॉजी, ओडनजीसी सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज ने अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन हैबिट-2026 में दोहरी उपलब्धि हासिल की है। संस्थान की डॉ. अनु राम कैलाश मिश्रा को 'यंग रिसर्चर अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया, जबकि एम.एससी. फूड प्रोसेसिंग एंड टेक्नोलॉजी के तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थी तनय वत्स ने मौखिक शोध प्रस्तुति में तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। सम्मेलन 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, प्रयागराज में आयोजित हुआ।

एमकॉम : संशोधित परीक्षा कार्यक्रम जारी

लखनऊ, प्रमुख संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग ने एम.कॉम. प्रथम सेमेस्टर की मिड सेमेस्टर परीक्षाओं का संशोधित कार्यक्रम जारी कर दिया है। जारी कार्यक्रम के अनुसार परीक्षाएं 12 नवंबर से 14 नवंबर 2026 तक आयोजित की जाएंगी। सभी परीक्षाएं वाणिज्य विभाग में संचालन होंगी।

परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार 12 नवंबर को दोपहर 12 से 1 बजे तक अकाउंटिंग थ्योरी एंड प्रैक्टिस (एमसीसीसी-01) तथा दोपहर 1:30 से 2:30 बजे तक फाइनेंशियल मैनेजमेंट (एमसीसीसी-02) की परीक्षा होगी। इसी क्रम में 13 नवंबर को दोपहर 12 से 1 बजे तक डायरेक्ट टैक्स लॉ एंड अकाउंट्स (एमसीसीसी-03) और दोपहर 1:30 से 2:30 बजे तक मार्केटिंग मैनेजमेंट (एमसीसीसी-04) का पेपर आयोजित किया जाएगा।

वहीं, 14 नवंबर को दोपहर 12 से 1 बजे तक इंडियन एंड ग्लोबल बिजनेस एनवायरनमेंट (MCCC-05) तथा दोपहर 1:30 से 2:30 बजे तक विदेशी भाषा फ्रेंच (एमसीसी आईसी/ए) की परीक्षा होगी। विभागाध्यक्ष ने संकेतित वेबसाइट पर सूचना प्रसारित करने के लिए आवश्यक निर्देश भी दिए हैं। विद्यार्थियों को सलाह दी गई है कि वे संशोधित परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार अपनी तैयारी पूरी करें।

एलयू के 22 विद्यार्थियों का बीईएल में चयन

लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के 22 विद्यार्थियों का भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल), गाजियाबाद में चयन हुआ है। बीईएल की ओर से आयोजित कैंपस प्लेसमेंट प्रक्रिया में विश्वविद्यालय के 2026 बैच के विद्यार्थियों ने लिखित परीक्षा के आधार पर सफलता हासिल की। चयनित को ट्रेनी इंजीनियर-1 के पद पर नियुक्त करेंगे। अधिकतम 5.52 लाख रुपये वार्षिक का पैकेज मिलेगा।

HINDUSTAN

स्मार्ट एवं सतत शहरों पर कार्यशाला

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्राचीन भारतीय इतिहास विभाग में विभागाध्यक्ष की जिम्मेदारी प्रो. दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव को सौंप दी है। इस संबंध में विश्वविद्यालय के कुलसचिव कार्यालय की ओर से मंगलवार को आधिकारिक कार्यालय आदेश जारी किया गया। कुलपति जेपी सैनी की स्वीकृति के बाद प्रो. दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव को प्राचीन भारतीय इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष के रूप में कार्य एवं दायित्वों का निर्वहन करने की जिम्मेदारी प्रदान की गई है।

यौन उत्पीड़न रोकने के लिए कैडेटों को प्रशिक्षण

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की 64 यू.पी. बटालियन एनसीसी की ओर से ब्रेकथ्रू सामाजिक संस्था के सहयोग से सार्वजनिक स्थानों पर होने वाले यौन उत्पीड़न की रोकथाम एवं जागरूकता को लेकर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी के संरक्षण में हुआ, जिसमें 100 से अधिक प्रतिभागियों ने सहभागिता की। नगर विकास विभाग के सचिव अनुज कुमार झा, आईएएस मुख्य वक्ता तथा प्रो. अमिता कनौजिया मौजूद रहीं।

AMAR UJALA

लविवि की डॉ. अनु को युवा शोधकर्ता सम्मान

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ फूड प्रोसेसिंग एंड टेक्नोलॉजी की डॉ. अनु राम कैलाश मिश्रा को अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एचएबीआईटी-2026 में युवा शोधकर्ता सम्मान मिला। वहीं, संस्थान के एमएससी फूड प्रोसेसिंग एंड टेक्नोलॉजी के तीसरे सेमेस्टर छात्र तनय वत्स ने मौखिक शोध प्रस्तुति श्रेणी में तीसरा पुरस्कार हासिल किया। 30 अक्तूबर से एक नवंबर तक मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, प्रयागराज में आयोजित सम्मेलन में डॉ. अनु को टाइप-2 मधुमेह के प्रबंधन के लिए पौधों पर आधारित आहार पूरक के शोध पर सम्मानित किया गया। तनय ने अनार और रागी से बने पेय पदार्थ पर शोध प्रस्तुत किया। संस्थान के निदेशक प्रो. सीआर गौतम ने दोनों को बधाई दी। (माई सिटी रिपोर्टर)

प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव बने विभागाध्यक्ष

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास विभाग के नए अध्यक्ष प्रो. दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव होंगे। कुलपति प्रो. जयप्रकाश सैनी ने उनकी नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा ने तीन नवंबर को इस संबंध में आदेश जारी किया। प्रो. श्रीवास्तव चार नवंबर को कार्यभार संभालेंगे। उनका कार्यकाल तीन वर्ष, अधिवर्षता आयु प्राप्त करने या अगले आदेश तक रहेगा। (माई सिटी रिपोर्टर)

AMAR UJALA

दीक्षोत्सव के विजेताओं को किया सम्मानित



लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के 69वें दीक्षोत्सव के तहत मंगलवार को मालवीय सभागार में सांस्कृतिक एवं साहित्यिक प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। कुलपति प्रो. जयप्रकाश सैनी ने करीब 200 विद्यार्थियों को पदक, स्मृति चिह्न और प्रमाणपत्र दिए। श्लोकेश की छात्रा एकांक समरमल्ली ने एकल नृत्य प्रतियोगिता में पहला स्थान हासिल कर गोल्ड मेडल जीता। 23 से 31 जुलाई तक आयोजित 14 प्रतियोगिताओं में लविवि और 15 से अधिक संबद्ध कॉलेजों के 500 से ज्यादा विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कुलपति ने सर्वांगीण विकास में सांस्कृतिक गतिविधियों की आवश्यकता बताई। (माई सिटी रिपोर्टर)

चौगवां में लगाया विधिक सहायता शिविर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधिक सहायता केंद्र और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने मंगलवार को बस्ती का ताल्लुक के चौगवां गांव में निशुल्क विधिक सहायता एवं सलाहता शिविर लगाया। इसमें पुलिस अधिकारियों ने अग्नि सुरक्षा, महिला सुरक्षा और सहायता अभ्यासों से बचाव के तरीके समझाए। विधिक सहायता केंद्र के सदस्यों ने परामर्श दिया, वन स्टॉप सेंटर और निर्भया सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। सहायक निदेशक, निशुल्क कानूनी सहायता और आधार संबंधी समस्याओं का समाधान किया गया। (माई सिटी रिपोर्टर)

AMAR UJALA

सूचनाओं का अतिप्रवाह शोध के लिए चुनौती

लखनऊ। डिजिटल युग में सूचनाओं का अतिप्रवाह (इन्फोडिसकेशन) उच्च शिक्षा और शोध के लिए गंभीर चुनौती बन रहा है।

एआई के विवेकपूर्ण इस्तेमाल पर जोर

इससे विद्यार्थियों की एकाग्रता, शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य और शोध की गुणवत्ता पर असर पड़ रहा है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षा शास्त्र विभाग की सेंटेनिया रिसर्च फेलो प्रियंका जोशी और पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार का शोध पत्र एआईयू के राष्ट्रीय जर्नल 'यूनिवर्सिटी न्यूज' में प्रकाशित हुआ है। शोध में डिजिटल साक्षरता, डिजिटल डिटॉक्स, फोमोडोगो तकनीक और एआई के विवेकपूर्ण उपयोग की सलाह दी गई है। साथ ही शोध में गुणवत्ता को प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया है। (माई सिटी रिपोर्टर)

आंत और मस्तिष्क के संबंधों पर शोध के लिए लविवि को दो करोड़

लखनऊ। आंत और मस्तिष्क के बीच होने वाले जैविक बदलावों पर शोध के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय को आईसीएमआर की अन्वेषण पहल के तहत दो करोड़ रुपये का अनुदान मिला है। इस बहु-संस्थागी परियोजना में लविवि, केजीएमयू और प्रयागराज के एसएस खन्ना गर्ल्स डिग्री कॉलेज के विशेषज्ञ मिलकर काम करेंगे।

शोध का नेतृत्व लविवि के बायोकेमिस्ट्री विभाग के डॉ. रुद्र प्रकाश ओझा करेंगे। डॉ. राज कमल श्रीवास्तव सह-प्रमुख अन्वेषक होंगे। केजीएमयू के डॉ. सुमित रुंगटा और एसएस खन्ना कॉलेज के डॉ. शैलेंद्र कुमार सिंह भी टीम में शामिल हैं।

परियोजना में एआई और मशीन लर्निंग की मदद से उम्र बढ़ने के दौरान आंत और मस्तिष्क में होने वाले बदलावों का अध्ययन किया जाएगा। इससे डिमेंशिया, याददाश्त संबंधी समस्याओं और चयापचय विकारों की शुरुआती पहचान के नए रास्ते खुलने की उम्मीद है। (माई सिटी रिपोर्टर)

AMAR UJALA

लविवि के 22 विद्यार्थियों का बीईएल में चयन, मिलेगा 5.52 लाख का पैकेज

माई सिटी रिपोर्टर

ट्रेनी इंजीनियर-1 पद पर मिलेगी नियुक्ति

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के 22 विद्यार्थियों का रक्षा मंत्रालय के सार्वजनिक उपक्रम भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल), गाजियाबाद में चयन हुआ है। चयनित विद्यार्थियों को ट्रेनी इंजीनियर-1 के पद पर सालाना अधिकतम 5.52 लाख रुपये का पैकेज मिलेगा।

प्लेसमेंट सेल (द्वितीय परिसर) के वाइस चेयरमैन डॉ. हिमांशु पांडेय के अनुसार, कैंपस चयन प्रक्रिया में लिखित परीक्षा के आधार पर 2026 बैच के विद्यार्थियों का चयन किया गया। निर्धारित अवधि और बेहतर प्रदर्शन के आधार पर उन्हें प्रोजेक्ट इंजीनियर के रूप में काम करने का अवसर भी मिल सकता है।

चयनित विद्यार्थियों में कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के आठ, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन के चार-चार, कंप्यूटर साइंस (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के तीन, सिविल के दो और मैकेनिकल इंजीनियरिंग का एक विद्यार्थी शामिल है। कुलपति प्रो. जेपी सैनी और प्लेसमेंट सेल के चेयरमैन प्रो. एसपी सिंह ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी।

AMRIT VICHAR

सूचना के अतिप्रवाह से बुद्धिजीवी व छात्र बन रहे मनोरोगी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- प्रतिदिन 2 घण्टा से ज्यादा 2.5 घण्टा सिनेमा बालकनी डेटा और प्रतिवर्ष 30 लाख से अधिक यौन घटनाओं के बीच नहीं ज्ञान घटन बढ़ी चुनौती
- लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षा शास्त्र विभाग की सीनियर रिसर्च फेलो प्रियंका जोशी और पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार



प्रियंका जोशी

प्रो. दिनेश कुमार

अमृत विचार: डिजिटल क्रांति के इस युग में उच्च शिक्षण संस्थानों और अकादमिक जगत के सामने इन्फोडिसकेशन एक गंभीर मनोवैज्ञानिक व अकादमिक चुनौती बनकर उभरा है। इन्फोडिसकेशन अर्थात सूचना का अतिप्रवाह में शिक्षक, छात्र और बुद्धिजीवी मानसिक बोझ हो रहे हैं। ये चिंताजनक जानकारी लखनऊ विश्वविद्यालय के शोध में सामने आई है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षा शास्त्र विभाग की सीनियर रिसर्च फेलो प्रियंका जोशी और पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार ने ये शोध किया गया है। जिसे एसोसियन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज के जर्नल में प्रकाशित किया गया है। इस शोध में सूचना के अधिकता के कारण बुद्धिजीवी वर्ग पर पड़ने वाले मानसिक दबाव,एकाग्रता और मतैरोग पर अध्ययन किया गया है।

अध्ययन में बताया गया है कि पैसिफिक स्तर पर प्रतिदिन लगभग 2.5 क्विंटिलियन बाइट्स डेटा उत्पन्न हो रहा है। यही, अकादमिक क्षेत्र में प्रतिवर्ष 30 लाख (3 मिलियन) से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हो रहे हैं। पैसिफ़िक अकादमिक डेटा प्रत्येक 15 वर्षों में दोगुना हो रहा है। शोधकर्ताओं पर लगातार बने रहने वाले फोमस और फॉमो के दबाव ने गहराई के साथ पर केवल राष्ट्रसाधक उत्पादन को बाधक दिया है, जिससे सूचना का अंधेरा तल गया है।

क्या है इन्फोडिसकेशन और कैसे बढ़ रही है समस्या: शोध कोरने, समझने, प्राथमिकताएं तय करने और सही निर्णय लेने की अलभर्ग महसूस होने के बाद है। यह दर्शाता है कि अत्यधिक विकल्पों एवं और दोहराव करता है।

विद्यार्थियों और शिक्षकों पर नकारात्मक प्रभाव

छात्रों पर प्रभाव

- अत्यधिक ऑनलाइन सामग्री, सोशल, मूल्य और डिजिटल ब्रह्मचर्य के कारण विद्यार्थियों में एकाग्रता की कमी, तनाव, चिंता और थकान बढ़ रहा है। ये इन्फोडिस व घुमक्कड़ सुरक्षाओं में अंतर करने में कठिनाई महसूस कर रहे हैं, जिससे इनकी आत्मविश्वास और समस्याएं हो रही हैं।

शिक्षकों व शोधकर्ताओं पर प्रभाव

- अनुसंधान कोरी की छटनी और आंतरिक तनाव के कारण शोधकर्ता के प्रतिभिन्न कार्यों (बौद्धिक थकान) और कर्मठता की समस्या बढ़ रही है, जिससे मौलिक शोध की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है।

प्रबंधन व समाधान के प्रमुख उपाय

- शोधकर्ताओं ने इस चुनौती के निपटने के लिए व्यक्तिगत और संस्थागत दोनों स्तरों पर दीर्घकालिक अंतरकर्म का सुझाव दिया है। सुझावों के अनुसार उपभोग के समय में अंतराल और डिजिटल डीटॉक्स की आदत डालना, सोशल मीडिया पर 25-25 मिनट के अंतराल में काम करने जैसी प्रयोगशील तकनीकों को अपनाना और डिजिटल अंतराल पर मानसिक स्वास्थ्य हेतु विशेष लेना। लेटरेचर व मीडिया लेने दृष्टा तथा चार संकेतक के लिए स्टाई एवं लेने है। 2.5 लाख लोगों का उपयोग करना, व्यक्ति तथा लेने दायित्व और मानवीय मौलिकता में संतुलन बना रहे।

AMRIT VICHAR

न्यूरोलॉजिकल व मेटाबॉलिक बदलावों की समय पर होगी पहचान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: उम्र बढ़ने के साथ हमारी आंतों और मस्तिष्क पर क्या प्रभाव पड़ता है इसके प्रभाव का अध्ययन कर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित फ्रेमवर्क विकसित किया जाएगा। इसके लिए भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद ने लखनऊ विश्वविद्यालय, केजीएमयू और एसएस खन्ना गर्ल्स डिग्री कॉलेज को 2 करोड़ रुपए का ग्रांट मिला है। लखनऊ विश्वविद्यालय के बायोकेमिस्ट्री विभाग के डॉ. रुद्र प्रकाश ओझा इस शोध का नेतृत्व करेंगे जबकि केजीएमयू और इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रमुख वैज्ञानिक सहसंयोजक के रूप में शामिल होंगे।



डॉ. रुद्र प्रकाश।

उम्र से जुड़े न्यूरोलॉजिकल और मेटाबॉलिक बदलावों की समय रहते पहचान व नई आंत लक्षित चिकित्सीय रणनीतियों के विकास का मार्ग इससे खुलेगा। यह बहुविषयक पायलट अध्ययन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग एल्गोरिदम को बायोकेमिकल, क्लिनिकल तथा कम्प्यूटेशनल विश्लेषण के साथ एकीकृत करेगा। इसके माध्यम से शोध दल स्वस्थ उम्र बढ़ने व उम्र से जुड़े शारीरिक व न्यूरोलॉजिकल ह्रास से संबंधित विशिष्ट न्यूरोपेप्टाइड हस्ताक्षरों की सटीक पहचान करने का प्रयास करेगा।

ये वैज्ञानिक करेंगे शोध

- प्रमुख अन्वेषक– डॉ. रुद्र प्रकाश ओझा, बायोकेमिस्ट्री विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय।
- प्रसहाप्रमुख अन्वेषक – डॉ. राज कमल श्रीवास्तव, बायोकेमिस्ट्री विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय।
- प्रसहयोगी सहप्रमुख अन्वेषक –डॉ. सुमित रुंगटा, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- प्रसहयोगी सहप्रमुख अन्वेषक –डॉ. शैलेंद्र कुमार सिंह, एस.एस. खन्ना गर्ल्स डिग्री कॉलेज, प्रयागराज।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की बढ़ती भूमिका पर हुआ व्याख्यान

- **लखनऊ, अमृत विचार :** खन्नखून जी गर्ल्स डिग्री कॉलेज में विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पंडित दीनदयाल विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ के अर्थशास्त्र विभाग के डीन एवं विभागाध्यक्ष रविंद्र के . ग्राहमणे रहे। उन्होंने अपने व्याख्यान में कहा कि विशाल जनसंख्या और बढ़ती उपभोग क्षमता के कारण भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण स्थान रखता है तथा विश्व की तेजी से विकसित होती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। वैश्वीकरण ने व्यापार, उद्योग और निवेश के क्षेत्र में भारत के लिए नए अवसरों के साथ कई चुनौतियां भी प्रस्तुत की हैं। कार्यक्रम का आयोजन अर्थशास्त्र विभाग की डॉ. वीना कुमारी एवं वाणिज्य विभाग की अपर्णा टंडन ने किया। समाजशास्त्र विभाग की डॉ. रश्मेह लता शिवहरे ने सहयोग प्रदान किया। संपूर्ण कार्यक्रम प्रो. अंशु कलिया के निर्देशन में संपन्न हुआ।



शिक्षकों के साथ ट्रॉफियां लिए दीक्षोत्सव के विजेता।

69वें दीक्षोत्सव के विजेता सम्मानित

लखनऊ, अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय व उससे संबद्ध 15 से अधिक महाविद्यालयों के 500 से अधिक विद्यार्थियों ने दीक्षोत्सव- 2026 के अंतर्गत आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक एवं साहित्यिक प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। इन प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले लगभग 200 प्रतिभागियों को मंगलवार को 69वें दीक्षोत्सव के अवसर पर मालवीय सभागार में आयोजित समारोह में पुरस्कृत एवं सम्मानित किया गया। दीक्षांत सप्ताह में देशभक्ति गीत, हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत और उर्दू में निबंध लेखन, कविता लेखन, भाषण समेत 14 प्रतियोगिताएं हुई थीं।

AMRIT VICHAR

22 विद्यार्थियों का भारत इलेक्ट्रॉनिक्स में प्लेसमेंट

लखनऊ, अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के कुल 22 विद्यार्थियों का भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठित उपक्रम भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, गाजियाबाद में चयन हुआ है। विद्यार्थियों की इस उत्कृष्ट-नीय उपलब्धि पर लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जे. पी. सैनी एवं द्वितीय परिसर के प्लेसमेंट सेल के वेयरमैन प्रो. एसपी सिंह ने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्लेसमेंट सेल (द्वितीय परिसर) के वाइस चेयरमैन डॉ. हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड द्वारा आयोजित कैंपस रिक्रूटमेंट प्रक्रिया में लिखित परीक्षा के आधार पर विश्वविद्यालय के 2026 बैच के 22 विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त की है।

प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव बने विभागाध्यक्ष इतिहास

लखनऊ, अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय की प्रथम परिनियमावली के परिनियम-2.20 में वर्णित प्रावधानों के तहत प्रो. दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव को प्राचीन भारतीय इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष के कार्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करने के लिए कुलपति ने स्वीकृति प्रदान की है। उनका कार्यकाल आज 4 नवंबर से तीन वर्ष की अवधि या अधिवर्षता आयु प्राप्ति तक अथवा अन्य कोई आदेश होने तक, जो भी पहले घटित हो तक के लिए स्वीकृति है। उल्लेखनीय है कि प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव की गणना भारतीय इतिहास के उत्कृष्ट-नीय शिक्षकों में की जाती है। प्रो. श्रीवास्तव लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रवक्ता के दायित्व का भी सफलता पूर्वक निर्वहन कर चुके हैं।

AMRIT VICHAR

डॉ. अनु मिश्रा को यंग रिसर्चर अवॉर्ड

लखनऊ, अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ फूड प्रोसेसिंग एंड टेक्नोलॉजी की डॉ. अनु राम कैलाश मिश्रा को अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन हैबिट- 2026 में 'यंग रिसर्चर अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। वहीं, एमएससी के छात्र तनय वत्स ने मौखिक शोध प्रस्तुति श्रेणी में तृतीय पुरस्कार हासिल किया। 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक एमएनएनआईटी प्रयागराज में आयोजित सम्मेलन में डॉ. मिश्रा को टाइप- 2 डायबिटीज प्रबंधन हेतु पादप आधारित आहार पूरक पर शोध के लिए सम्मान मिला। तनय को रागी और अनार से बने पेय पदार्थों पर शोध प्रस्तुति के लिए पुरस्कृत किया गया। संस्थान के निदेशक प्रो. सीआर गौतम ने दोनों को बधाई दी।

AMRIT VICHAR

लविवि में पदोन्नति के लिए आवेदन प्रक्रिया जल्द

लखनऊ, अमृत विचार: लविवि में करियर एडवांसमेंट स्कीम के तहत पदोन्नति के लिए आवेदन प्रक्रिया जल्द शुरू होने जा रही है। विश्वविद्यालय के कुलपति के निर्देशानुसार सीएएस पोर्टल अगामी 1 दिसंबर से आवेदन अपलोड करने के लिए क्रियाशील हो जाएगा। इस संबंध में जारी सूचना के अनुसार विश्वविद्यालय की प्रथम परिनियमावली के प्रावधानों के तहत विभिन्न चरणों एवं पदनामों पर पदोन्नति के लिए निर्धारित पात्रता मानदंड पूरे करने वाले शिक्षक आवेदन कर सकेंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी पात्र शिक्षकों को निर्देशित किया है कि वे अपने आवश्यक दस्तावेज, प्रमाण-पत्र, एपीआई, आकादमिक संपदी अभिलेख तथा अन्य जरूरी सहायक दस्तावेज पहले से तैयार रखें, ताकि पोर्टल शुरू होने के बाद आवेदन समय पर अपलोड किए जा सकें।

कैडेटों ने दिया प्रशिक्षण:

लविवि की 64 यूपी बटालियन एनसीसी ने सामाजिक संस्था क्षेत्रबद्ध के सहयोग से सार्वजनिक स्थानों पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम एवं जागरूकता पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। एएनओ लेफ्टिनेंट डॉ. रजनीश कुमार यादव के निर्देशन में आयोजित सत्र में कैडेटस को 5डी थाईटैंटर इंटरवेंशन मॉडल की जानकारी दी गई।

TIMES OF INDIA

LU appoints new head of AIH dept

Lucknow University has appointed Prof Durgesh Kumar Srivastava as Head of the Ancient Indian History Department for a three-year term. A noted field researcher with 40 published papers, he has conducted studies across more than 10 districts and visited 13 major archaeological sites.



UNIVERSITY NEWS 04 NOVEMBER 2026

I NEXT

कैडेट्स भी हेल्थॉन में दिखाएंगे दम

हेल्थॉन को लेकर एलयू के 64 यूपी बटालियन एनसीसी कैडेट्स में दिखा उत्साह

PICS: DAINIK JAGRAN-INEXT



हेल्थॉन के लिए रजिस्ट्रेशन कराते हुए मौजूद कैडेट्स.



lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (3 Nov): फिटनेस, अनुशासन और सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए आयोजित होने वाली हेल्थ जागरण मार्केनेस्ट हाफ मैराथन हेल्थॉन को लेकर एलयू के 64 यूपी बटालियन एनसीसी कैडेट्स में खासा उत्साह देखने को मिला. इंडोर में पार्टीदारी को लेकर कैडेट्स ने खड़-चढ़कर रजिस्ट्रेशन कराया. कैडेट्स के लिए यह आयोजन केवल दौड़ का हिस्सा बनने तक सीमित नहीं है, बल्कि खुद को चुनौती देने और अपनी क्षमताओं को पहचानने का भी अवसर है.

शारीरिक सक्रियता के साथ सामाजिक जागरूकता भी

एनसीसी कैडेट्स का कहना है कि हेल्थॉन जैसी प्रतियोगिताएं युवाओं को शारीरिक रूप से सक्रिय रहने के साथ मानसिक रूप से मजबूत बनने के लिए भी प्रेरित करती हैं. नियमित अभ्यास, समय प्रबंधन और निरंतरता के जरिए अपनी क्षमता को बेहतर बनाने का मौका मिलता है. कैडेट्स के मुताबिक, एनसीसी प्रशिक्षण में अनुशासन और फिटनेस का विशेष महत्व है. ऐसे में हेल्थॉन में भाग लेना उनके प्रशिक्षण और व्यक्तिगत विकास से भी जुड़ा हुआ है.

डिजिटल फिटनेस जरूरी

कैडेट्स का मानना है कि आज की व्यस्त दिनचर्या में युवाओं के लिए शारीरिक गतिविधियों को समय देना जरूरी है. इस तरह के आयोजन हमें मोबाइल और स्क्रीन से दूर निकलकर मैदान में पसीना बहाने और अपनी फिटनेस पर ध्यान देने के लिए प्रेरित करते हैं. साथ ही, अलग-अलग प्रतियोगिताओं के साथ दौड़ने से टीम भावना और सहयोगात्मक प्रवृत्ति की भावना भी विकसित होती है. एनसीसी कैडेट्स के लिए यह आयोजन अपनी तैयारी, गति और आत्मविश्वास को परखने का अवसर बनेगा. हेल्थॉन में भागीदारी का उद्देश्य केवल दौड़ पूरी करना नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश देना भी है. यह इवेंट फिटनेस के प्रति लोगों को प्रेरित करता है.

हेल्थॉन से जुड़ने के लिए विभिन्न संस्थाओं में उत्साह

राजधानी लखनऊ में हेल्थॉन अब सिर्फ एक दौड़ नहीं, बल्कि फिटनेस और हेल्दी लाइफस्टाइल का बड़ा सुनामेट बनता जा रहा है. युवाओं और आम लोगों के बढ़ते उत्साह के बीच अब व्यापार मंडल, होम बिल्डर्स, जिम संचालक, मेडिकल इंस्टीट्यूट्स, स्कूल और सामाजिक संगठन भी इस मुहिम में पूरी ताकत से उतर रहे हैं. इस वर्ष की बढ़ती भागीदारी ने हेल्थॉन को नई रफ्तार दे दी है. संयोजकों का मानना है कि हेल्थॉन केवल फिटनेस का संदेश नहीं, बल्कि लोगों की सोच, आदतों और जीवनशैली में बदलाव लाने का दमदार प्लेटफॉर्म है.

सभी लोग ले हिस्सा



हेल्थॉन एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा युवाओं को अधिक संख्या में जुड़ना चाहिए और समाज के अन्य लोगों को भी जागरूक करना चाहिए. इस बार मैं लखनऊ यूनिवर्सिटी के एनसीसी कैडेट्स ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया है.

लेफ्टिनेंट (डॉ.) रजनीश कुमार यादव, एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर, एलयू



हेल्थॉन से शारीरिक फिटनेस के साथ मानसिक मजबूती भी बढ़ती है. एनसीसी हमें अनुशासन सिखाता है और ऐसी प्रतियोगिताएं उस अनुशासन को वास्तविक जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित करती हैं.

अंकिता



हेल्थॉन के जरिए हम अपनी क्षमता को परख सकते हैं. इससे रजिस्ट्रेशन कराना मेरे लिए एक नई शुरुआत है. मैं चाहती हूं कि ज्यादा से ज्यादा लोग इसमें शामिल हों.

रुचिता जगदेव



एनसीसी में हमेशा शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनने की सीख दी जाती है. हेल्थॉन जागरण आर्गेनाइजर हेल्थॉन उसी दिशा में एक अच्छा आयोजन है.

हर्ष कुमार सिंह

I NEXT

यौन उत्पीड़न रोकने के लिए NCC कैडेट्स को दी ट्रेनिंग



LUCKNOW (3 Nov): लखनऊ यूनिवर्सिटी की 64 यूपी बटालियन एनसीसी ने सामाजिक संस्था ब्रेकथ्रू के सहयोग से सार्वजनिक स्थानों पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम को लेकर जागरूकता एवं प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया. एएनओ लेफ्टिनेंट डॉ. रजनीश कुमार यादव के निर्देशन में कैडेट्स को 5डी बाईस्टैंडर इंटरवेंशन मॉडल के तहत प्रत्यक्ष हस्तक्षेप, ध्यान भटकाने, सहायता लेने, घटना के बाद सहयोग और साक्ष्य जुटाने के तरीके बताए गए. कैडेट्स ने महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के प्रति जिम्मेदारी निभाने की शपथ भी ली. कैडेट्स को सामाजिक कार्यों के प्रति भी जागरुक किया गया.

प्रो. दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव बने प्राचीन भारतीय इतिहास के विभागाध्यक्ष

LUCKNOW (3 Nov): लखनऊ यूनिवर्सिटी के प्राचीन भारतीय इतिहास विभाग के नए विभागाध्यक्ष के रूप में प्रो. दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव को जिम्मेदारी सौंपी गई है.

तीन वर्ष का रहेगा कार्यकाल

कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा की ओर से तीन नवंबर को जारी कार्यालय आदेश के अनुसार, उनका कार्यकाल चार नवंबर 2026 से तीन वर्ष के लिए निर्धारित किया गया है. यह नियुक्ति यूनिवर्सिटी की प्रथम परिनियमावली (यूनिवर्सिटी स्टैट्यूट्स) के प्रावधानों के तहत की गई है.

I NEXT

12 नवंबर से एलयू में होंगे एमकाम सेमेस्टर एग्जाम

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (3 Nov): लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग ने एमकाम प्रथम सेमेस्टर (सत्र 2026-27) की मिड सेमेस्टर परीक्षाओं का संशोधित कार्यक्रम जारी कर दिया है. परीक्षाएं 12 से 14 नवंबर तक आयोजित की जाएंगी. 12 नवंबर को दोपहर 12 से एक बजे तक अकाउंटिंग थ्योरी एंड प्रैक्टिस और दोपहर 1:30 से 2:30 बजे तक फाइनेंशियल मैनेजमेंट की परीक्षा होगी.

14 को इंडियन एंड ग्लोबल बिजनेस एनवायरमेंट परीक्षा

13 को इसी समयावधि में डायरेक्ट टैक्स ला एंड अकाउंट्स और मार्केटिंग मैनेजमेंट का पेपर होगा. वहीं, 14 को इंडियन एंड ग्लोबल बिजनेस एनवायरनमेंट की परीक्षा दोपहर 12 से एक बजे तक और फ्रेंच भाषा की परीक्षा दोपहर 1:30 से 2:30 बजे तक आयोजित होगी.

NBT

पढ़ाई की जगह भ्रमित कर रहा ऑनलाइन कंटेंट

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊ :** इंटरनेट पर पढ़ाई के लिए सामग्री की कमी नही है, लेकिन सूचनाओं की यही बहुतायत अब विद्यार्थियों के लिए परेशानी का कारण बन रही है। ऑनलाइन कंटेंट, वेबिनार, डिजिटल अलर्ट और लगातार मिल रही सूचनाओं के बीच छात्र यह तय नही कर पा रहे है कि वे क्या पढ़े और किस पर भरोसा करें। इसका असर उनकी एकाग्रता, मानसिक स्वास्थ्य और आलोचनात्मक सोच पर पड़ रहा है। लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षा शास्त्र विभाग की ओर से की गई एक स्टडी में इसे 'इन्फोक्सिकेशन' (सूचना का ओवरलोड) नाम दिया गया है।

AAJ

कार्यशाला का आयोजन

लखनऊ। लखनऊ विश्व विद्यालय के लोक प्रशासन विभाग द्वारा अटल सुशासन पीठ के अंतर्गत मंगलवार, 3 नवंबर को वी.के.एन. मेनन हॉल, लोक प्रशासन विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय में लचीले, स्मार्ट एवं सतत शहरों की राहें विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

DAINIK JAGRAN

आंत और मस्तिष्क के बीच संवाद का अध्ययन करेंगे विज्ञानी

जासं • लखनऊ : उम्र बढ़ने के साथ याददाश्त कमजोर होने, डिमेंशिया और मेटाबालिक समस्याओं के पीछे आंत और मस्तिष्क के बीच होने वाले जैविक संवाद की भूमिका को समझने के लिए विज्ञानी एआइ की मदद लेंगे। इसके लिए भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) नई दिल्ली ने लखनऊ विश्वविद्यालय, केजीएमयू और प्रयागराज के एसएस खन्ना गर्ल्स डिग्री कालेज के संयुक्त शोध प्रोजेक्ट को दो करोड़ की मंजूरी दी है। आइसीएमआर की अन्वेषण पहल के तहत स्वीकृत यह परियोजना मानव एजिंग यानी उम्र बढ़ने की प्रक्रिया से जुड़े बदलावों के अध्ययन पर केंद्रित होगी। परियोजना का नेतृत्व लखनऊ विश्वविद्यालय के बायोकेमिस्ट्री विभाग के डा. रुद्र प्रकाश ओझा प्रमुख अन्वेषक के रूप में करेंगे।

DAINIK JAGRAN

महिलाओं को आर्थिकी में आत्मनिर्भर होने संग निर्णय लेने का हो अधिकार

परिसर परिचर्चा

कुसुम लहरी • जौनपुर

लखनऊ : किसी भी देश की आर्थिक प्रगति का आकलन केवल उसकी जीडीपी या विकास दर से नहीं, बल्कि इस बात से भी होता है कि उसकी आधी आबादी आर्थिक गतिविधियों में कितनी भागीदारी निभा रही है। भले ही आज घर की रसोई से कारपोरेट जगत और खेतों से लेकर स्टार्टअप की दुनिया तक महिलाएं अपनी प्रतिभा और क्षमता का लोहा मनवा रही हैं, लेकिन क्या आर्थिक भागीदारी उनकी आबादी के अनुपात में है? क्या उन्हें समान अवसर, समान वेतन और निर्णय लेने की स्वतंत्रता मिल रही है? मंगलवार को दैनिक जागरण की ओर से लखनऊ विश्वविद्यालय स्थित अधिष्ठाता छात्र कल्याण सभागार में आयोजित परिसर परिचर्चा के अंतर्गत 'आर्थिकी में महिलाओं की भागीदारी' विषय पर बोलते हुए छात्राएं मुखर दिखीं। परिसर परिचर्चा का मंच मिला तो छात्राओं ने गृहिणी समेत उद्यमिता के क्षेत्र में सफल महिलाओं के उदाहरण देते हुए अपनी बात रखी।

सोशल वर्क से पीएचडी कर रहीं अनिका सिंह राजपूत ने कहा कि अर्थव्यवस्था में भागीदारी का आधार किसी व्यक्ति का लिंग नहीं, बल्कि उसकी योग्यता और क्षमता होना चाहिए। किसी महिला की संभावनाएं केवल इसलिए सीमित नहीं होनी चाहिए क्योंकि वह एक महिला है। मेरे विचार से जब हम अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी की बात करते हैं, तो सबसे पहले हमें अपनी सोच बदलने की आवश्यकता है।



दैनिक जागरण द्वारा आयोजित परिसर परिचर्चा में बोलतीं मल्लिका अग्रवाल • जागरण

वहीं, एमए की मल्लिका अग्रवाल ने अपने फैमिली बिजनेस का उदाहरण देते हुए कहा कि वह दो-तीन बिजनेस कर रहीं थीं, पढ़ाई पूरी करने के बाद फिर से आगे बढ़ाएंगी। कहा कि उनको परिवार ने पूरा सपोर्ट किया, लेकिन बहुत सी महिलाओं को पेरेंट्स, स्पाउस से परमीशन लेनी पड़ती है।

रिसर्च छात्रा रितिका कनौजिया ने कहा कि सरकार की ओर से महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत होने के लिए तमाम योजनाएं चलाई जा रहीं हैं, केवल जागरूक होने की जरूरत है। वहीं, इशिका जायसवाल ने कहा कि शहरों में तो ठीक है, लेकिन गांवों में महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक नहीं हैं। इस मौके पर सुभूति पांडेय, निधि यादव, भावना पांडेय, मुस्कान यादव, जान्हवी राय ने भी अपने विचार रखे।

अमर्त्य सेन ने कहा है कि विकास की ओर बढ़ने के लिए यह आवश्यक है कि पुरुष और महिला के पास स्वतंत्रता हो। महिलाओं की आर्थिकी में भागीदारी बढ़ाने के लिए उनका स्वतंत्र और शिक्षित होना बहुत जरूरी है। राजनीतिक और सामाजिक सशक्तीकरण भी बहुत जरूरी है क्योंकि तभी वे आधी आबादी के हित में नीतियों और योजनाएं बना पाएंगी, महिला आरक्षण भी बहुत अहम है।



– डा. शशी सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर, इकनामिक्स डिपार्टमेंट

मेरे हिसाब से महिला सशक्तीकरण का मतलब सिर्फ महिलाओं को नौकरी देना नहीं है, बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना भी है, ताकि वे अपने फैसले खुद ले सकें और अपनी जरूरतों के लिए दूसरों पर निर्भर न रहें।



– संस्कृति गुप्ता, पीएचडी स्कालर जूलाजी विभाग

आज के समय में महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता बेहद जरूरी है। मेरा मानना है कि वित्तीय साक्षरता को प्राथमिक शिक्षा से ही स्कूलों में अहम विषय के रूप में शामिल किया जाए, जिसमें लड़के व लड़कियों को वित्तीय प्रबंधन सिखाया जाए।



–नीताक्षी शर्मा, पीएचडी स्कालर, अंग्रेजी विभाग

एमकाम प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 12 से

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग ने एमकाम प्रथम सेमेस्टर (सत्र 2026-27) की मिड सेमेस्टर परीक्षाओं का संशोधित कार्यक्रम जारी कर दिया है। परीक्षाएं 12 से 14 नवंबर तक आयोजित की जाएंगी। 12 नवंबर को दोपहर 12 से एक बजे तक अकाउंटिंग थ्योरी एंड प्रैक्टिस और दोपहर 1:30 से 2:30 बजे तक फाइनेंशियल मैनेजमेंट की परीक्षा होगी। 13 को इसी समयावधि में डायरेक्ट टैक्स ला एंड अकाउंट्स और मार्केटिंग मैनेजमेंट का पेपर होगा। वहीं, 14 को इंडियन एंड ग्लोबल बिजनेस एनवायरनमेंट की परीक्षा दोपहर 12 से एक बजे तक और फ्रेंच भाषा की परीक्षा दोपहर 1:30 से 2:30 बजे तक आयोजित होगी। वि.